



भारत में सड़क दुर्घटनाएँ- 2018

परीलम्स के लिये:

रिपोर्ट से संबंधित महत्वपूर्ण आँकड़े

मेन्स के लिये:

भारत में यातायात सुरक्षा संबंधी मुद्दे

चर्चा में क्यों?

हाल ही में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (Ministry of Road Transport and Highways) द्वारा 'भारत में सड़क दुर्घटनाएँ- 2018 (Road Accidents in India- 2018) रिपोर्ट जारी की गई।

वैश्विक संदर्भ में-

- भारत, वर्ष 2015 में ब्राज़ील में आयोजित सड़क सुरक्षा के लिये आयोजित उच्च स्तरीय कांफ्रेंस का हस्ताक्षरकर्ता है, इसको ब्रासीलिया उद्घोषणा (Brasilia Declaration) कहते हैं।
- इसके तहत भारत ने वर्ष 2020 तक सड़क दुर्घटनाओं और इनसे होने वाली मौतों को आधा करने की प्रतिबद्धता जताई थी।
- विश्व सड़क आँकड़े 2018 (World Road Statistics- 2018) के अनुसार सड़क दुर्घटनाओं के मामले में भारत संयुक्त राज्य अमेरिका और जापान के बाद तीसरे स्थान पर है, जबकि दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले में कुल 199 देशों में पहले स्थान पर है।
- भारत में प्रतिवर्ष 1.5 लाख लोगों की मौत सड़क दुर्घटना में होती है, जो विश्व भर में सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों का 11% है।

भारत में वर्ष 2017-18 में सड़क दुर्घटनाओं के आँकड़े-

Deadly roads

While the number of accidents has gone down, the number of people killed has increased between 2014 and 2018

NUMBER OF ROAD ACCIDENTS

2014	8,623
2015	8,085
2016	7,375
2017	6,673
2018	6,515

NUMBER OF PERSONS INJURED IN ROAD ACCIDENTS

2014	8,283
2015	8,258
2016	7,154
2017	6,604
2018	6,086

NUMBER OF FATAL ACCIDENTS

2014	1,629
2015	1,582
2016	1,584
2017	1,565
2018	1,657

NUMBER OF PERSONS KILLED IN ROAD ACCIDENTS

2014	1,671
2015	1,622
2016	1,591
2017	1,584
2018	1,690

HIT-AND-RUN ACCIDENTS

TOTAL

2017	2,100
2018	2,127

PERSONS KILLED

2017	604
2018	688

PERSONS INJURED

2017	1,611
2018	1,820

VEHICLE-TO-PEDESTRIAN ACCIDENTS

TOTAL

2017	1,125
2018	1,497

PERSONS KILLED

2017	254
2018	420

PERSONS INJURED

2017	1,140
2018	1,293



- रपिर्ट के अनुसार, वर्ष 2018 में वर्ष 2017 की तुलना में सड़क दुर्घटनाओं की संख्या में 0.46% की वृद्धि हुई। सड़क दुर्घटनाओं के दौरान होने वाली मौतों में भी 2.37% की वृद्धि दर्ज की गई।
- रपिर्ट के अनुसार, अधिकतर सड़क दुर्घटनाएँ राष्ट्रीय राजमार्गों पर हुईं। कुल दुर्घटनाओं का 30.2% दुर्घटनाएँ राष्ट्रीय राजमार्गों पर दर्ज की गयीं।
- राज्यों के संदर्भ में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाएँ तमिलनाडु में हुईं, इस मामले में मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- जबकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मामले उत्तरप्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।
- रपिर्ट के अनुसार, 50 मिलियन से अधिक जनसंख्या वाले शहरों में सबसे अधिक सड़क दुर्घटनाओं वाला शहर चेन्नई है, इन दुर्घटनाओं में सबसे ज्यादा मौतों की संख्या दिल्ली में दर्ज की गई।
- विभिन्न वाहनों की श्रेणी में दोपहिया वाहन सबसे अधिक दुर्घटनाग्रस्त हुए साथ ही सर्वाधिक मौतें भी दोपहिया वाहन चालकों की हुईं।
- वर्ष 2018 में 18-45 के आयु वर्ग के लोग सड़क दुर्घटनाओं के सबसे अधिक शिकार हुए।
- कुल दुर्घटनाओं में 84.7% मौतें, आयु वर्ग 18-60 के मध्य दर्ज की गयीं।
- रपिर्ट के अनुसार, दुर्घटना में मरने वाले पुरुषों की संख्या लगभग 86% है, जबकि महिलाओं की संख्या लगभग 14% है।
- रपिर्ट के अनुसार, 64.4% दुर्घटनाओं का कारण वाहनों की सीमा से अधिक गति रही है।

आगे की राह -

- सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने सड़क दुर्घटनाओं के समस्या से निपटने के लिये बहुस्तरीय रणनीति तैयार की है।
- इसके अंतर्गत शिक्षा, प्रचार और जागरूकता अभियान, सड़कों एवं वाहनों में इंजीनियरिंग संबंधी सुधार और आपातकालीन चिकित्सा सेवाएँ शामिल हैं।
- हाल ही में भारत सरकार द्वारा [मोटर वाहन \(संशोधन\) अधिनियम 2019](#) लाया गया।

स्रोत- द हिंदू